Regarding remarks in context of Rajasthan?s Culture and Heritage

श्री राव राजेन्द्र सिंह (जयपुर ग्रामीण) : सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान एक विषय के प्रति आकर्षित करना चाहता हूं ।

महोदय, यह पूरा संसार अपनी व्यवस्था के आधार पर अपनी-अपनी संस्कृति को पल्लवित करने के लिए, अपने-अपने उदाहरण पेश करता है ।

मेरा वक्तव्य राजसमन्द से आदरणीय सदस्या के उस वक्तव्य से ताल्लुक रखता है, जो राजस्थान की प्रभुत्ता और राजस्थान की संस्कृति के, वे योद्धा जो पराक्रम के पर्यायी हो गए हैं, उनके प्रति जिस कथन का, जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया है । ? (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: In the ?Zero Hour?, there is no point of order.

? (*Interruptions*)

श्री राव राजेन्द्र सिंह: जिस प्रकार से उसका चरित्र हरण किया गया है, मैं पुरजोर शब्दों से इस सदन को ? (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Nothing will go on record except Shri Rao Rajendra Singh.

? (Interruptions) ? *

श्री राव राजेन्द्र सिंह : सभापति महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहते हुए इस सदन से यह आश्वासन चाहता हूं और प्रतिपक्ष से पूछना चाहता हूं कि क्या वह इस प्रकार के कथन के साथ खड़ा है? ? (व्यवधान) क्या वह इसकी निंदा करता है? ? (व्यवधान)

मैं सदन से यह निवेदन भी करना चाहता हूं ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ जी ।

? (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : In ?Zero Hour?, there is no point of order.

? (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Nothing will go on record except the speech of Shri Rao Rajendra Singh.

*? (Interruptions) ?**